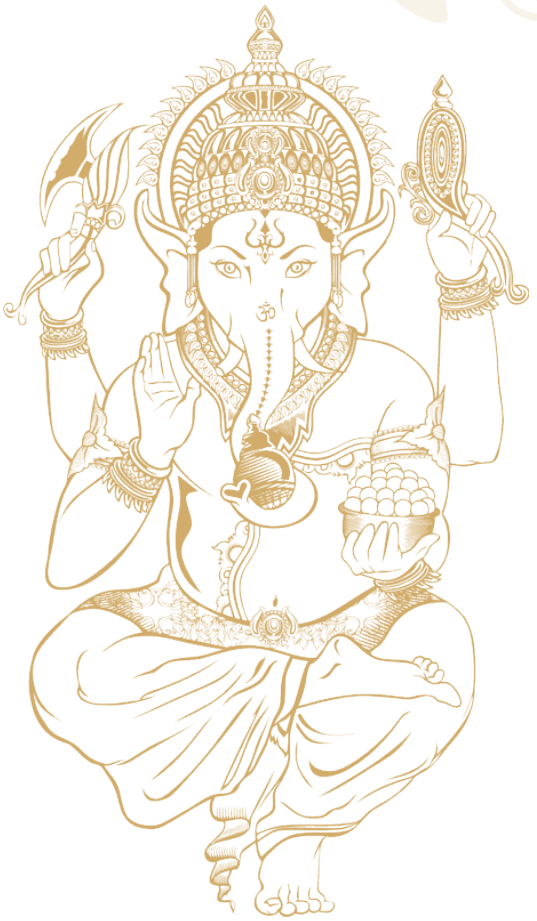

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120472003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/02/1997	जन्म तिथि	07/10/2000
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 22:47:00	जन्म समय	17:12:00 घंटे
घटी 39:34:17	जन्म समय(घटी)	27:16:09 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Hathras
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:57:17	सूर्योदय	06:13:47
18:13:13	सूर्यास्त	17:57:10
23:49:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:47

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 8वर्ष 10मा 21दि	06:57:24	तुला	लग्न	मीन	06:04:43	चन्द्र 8वर्ष 0मा 11दि
बुध	06:17:04	कुंभ	सूर्य	कन्या	20:38:46	राहु
10/01/2025	25:55:20	मिथु	चंद्र	मक	12:37:26	20/10/2015
11/01/2042	11:04:23	कन्या व	मंगल	सिंह	18:59:56	19/10/2033
बुध 09/06/2027	20:30:56	मक	बुध	तुला	15:58:22	राहु 02/07/2018
केतु 05/06/2028	12:42:09	मक	गुरु व	वृष	17:15:55	गुरु 24/11/2020
शुक्र 06/04/2031	25:37:31	मक	शुक्र	तुला	21:48:54	शनि 01/10/2023
सूर्य 11/02/2032	11:35:36	मीन	शनि व	वृष	06:33:44	बुध 20/04/2026
चन्द्र 12/07/2033	05:14:16	कन्या व	राहु व	मिथु	27:00:34	केतु 08/05/2027
मंगल 09/07/2034	05:14:16	मीन व	केतु व	धनु	27:00:34	शुक्र 08/05/2030
राहु 26/01/2037	12:15:11	मक	हर्ष व	मक	23:10:59	सूर्य 02/04/2031
गुरु 04/05/2039	04:48:24	मक	नेप व	मक	09:56:43	चन्द्र 01/10/2032
शनि 11/01/2042	11:41:31	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:54:00	मंगल 19/10/2033

लग्न-चलित

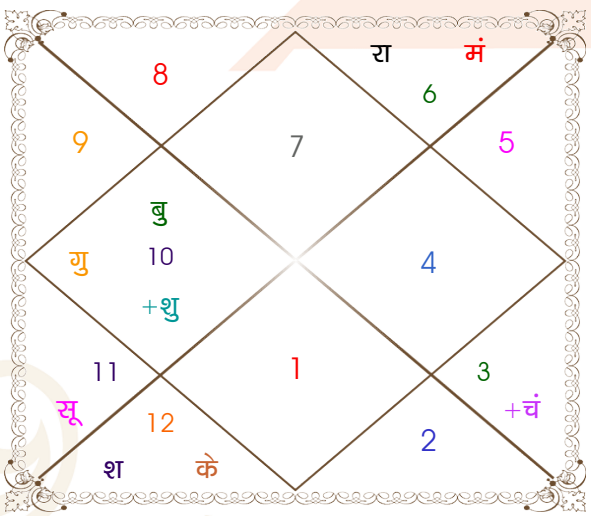

लग्न-चलित

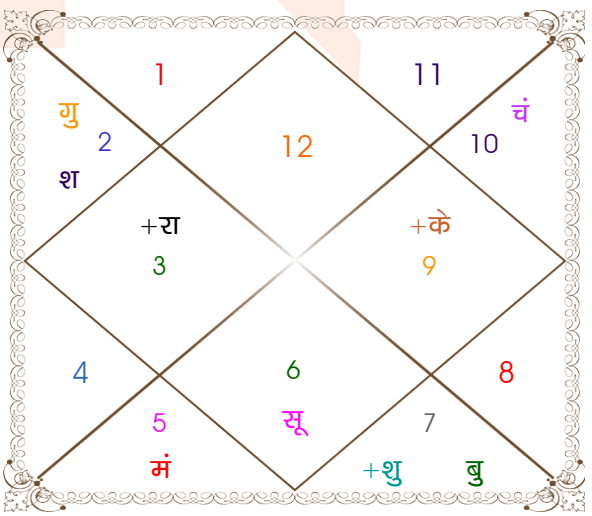

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।